समास और समास विग्रह: संपूर्ण गाइड

e-gyansetu.com | शिक्षा और ज्ञान का सेतु

1. समास: एक परिचय

दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से नए शब्द बनाने की प्रक्रिया को**समास** कहते हैं। सामासिक शब्दों के बीच के संबंधों को स्पष्ट करना **समास विग्रह** कहलाता है।

शॉर्ट ट्रिक मास्टर चार्ट

- **अव्ययीभाव:** पहला पद उपसर्ग (यथा, प्रति, आ, भर)।
- **तत्पुरुष:** कारक चिन्हों (का, को, से, में) का लोप।
- **कर्मधारय:** विशेषण-विशेष्य (कैसा है?)।
- **द्विगु:** पहला पद संख्या (Number)।
- **द्वंद्व:** योजक चिन्ह (-) और 'और/या' का प्रयोग।
- **बहुव्रीहि:** तीसरा अर्थ (भगवान/प्रसिद्ध व्यक्ति)।

2. 100+ महत्वपूर्ण उदाहरण

1. अव्ययीभाव समास

समस्त पद	समास विग्रह
प्रतिदिन	प्रत्येक दिन
यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार
आजन्म	जन्म से लेकर
भरपेट	पेट भरकर

रातोंरात	रात ही रात में
निडर	डर के बिना
आमरण	मृत्यु तक
यथाविधि	विधि के अनुसार
हाथोंहाथ	हाथ ही हाथ में
बेकाम	बिना काम के

2. तत्पुरुष समास

समस्त पद	समास विग्रह
राजपुत्र	राजा का पुत्र
रसोईघर	रसोई के लिए घर
गगनचुंबी	गगन को चूमने वाला
तुलसीकृत	तुलसी द्वारा रचित
देशभक्ति	देश के लिए भक्ति
ऋणमुक्त	ऋण से मुक्त
गंगाजल	गंगा का जल
वनवास	वन में वास
यशप्राप्त	यश को प्राप्त
हस्तलिखित	हाथ से लिखा हुआ

3. कर्मधारय समास

समस्त पद	समास विग्रह

नीलकमल	नीला है जो कमल
चरणकमल	कमल के समान चरण
महादेव	महान है जो देव
मृगनयनी	मृग के समान नयन वाली
पीताम्बर	पीला है जो अम्बर (वस्त्र)
अधमरा	आधा है जो मरा हुआ
चंद्रमुख	चंद्र के समान मुख
सज्जन	सत् (अच्छा) है जो जन
लौहपुरुष	लोहे के समान दृढ़ पुरुष
परमानंद	परम है जो आनंद

4. द्विगु समास

समस्त पद	समास विग्रह
चौराहा	चार राहों का समूह
तिरंगा	तीन रंगों का समूह
नवग्रह	नौ ग्रहों का समूह
सप्ताह	सात दिनों का समूह
पंचवटी	पाँच वटों का समूह
त्रिफला	तीन फलों का समूह
दुपट्टा	दो पटों का समूह
शताब्दी	सौ वर्षों का समूह
अठन्नी	आठ आनों का समूह

त्रिलोक	तीन लोकों का समाहार

5. द्वंद्व समास

समस्त पद	समास विग्रह
माता-पिता	माता और पिता
रात-दिन	रात और दिन
पाप-पुण्य	पाप या पुण्य
सुख-दुःख	सुख और दुःख
भाई-बहन	भाई और बहन
दाल-रोटी	दाल और रोटी
छोटा-बड़ा	छोटा या बड़ा
अपना-पराया	अपना या पराया
ठंडा-गरम	ठंडा या गरम
देश-विदेश	देश और विदेश

6. बहुव्रीहि समास

समस्त पद	समास विग्रह	तीसरा अर्थ
दशानन	दस हैं मुख जिसके	रावण
लंबोदर	लंबा है उदर जिनका	गणेश
त्रिनेत्र	तीन नेत्र हैं जिनके	शिव
चक्रपाणि	चक्र है हाथ में जिनके	विष्णु
वीणापाणि	वीणा है हाथ में जिसके	सरस्वती

गिरिधर	गिरि को धारण करने वाले	कृष्ण
निशाचर	रात में घूमने वाला	राक्षस
पंकज	कीचड़ में जन्म लेता है जो	कमल
महावीर	महान वीर है जो	हनुमान
प्रधानमंत्री	मंत्रियों में प्रधान है जो	विशिष्ट पद

© 2026 e-gyansetu.com | हिंदी व्याकरण अध्ययन सामग्री